श्रीयुत शिव भवानी स्टोन क्रशर मालिक श्री सुनील कुमार गर्ग, नदी स्तर खनन, पाली महादेव, मौजा मौहाल रतयोड एवं भांगला, तहसील नालागढ, जिला सोलन (हि.प्र.) द्वारा खनन क्षेत्र 36.8845 हैक्टेयर (खसरा नं0 2232/1324, 2261/1535, 2265/1539, 1804, 1923/1, 904/843/3, 856/180, 199/1 मौजा मौहाल रतयोड एवं भांगला, तहसील नालागढ, जिला सोलन (हि.प्र.) कुल क्षेत्रफल 36.8845 हैक्टेयर से रेत, बजरी व पत्थर के संग्रह के प्रस्ताव पर आयोजित पर्यावरण जन सुनवाई के आयोजन संबन्धी कार्यवाही का विवरण

हिमाचल प्रदेश राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा दिनांक 28.05.2013 को प्रातः 11:00 बजे गांव दुगरी (बंगला) डा0 दभोटा, तहसील नालागढ, जिला सोलन (हि.प्र.) में श्रीयुत शिव भवानी स्टोन क्रशर मालिक श्री सुनील कुमार गर्ग, मौजा मौहाल रतयोड एवं भांगला, तहसील नालागढ, जिला सोलन (हि.प्र.) द्वारा नदी स्तर खनन क्षेत्र 36.8845 हैक्टेयर से रेत, बजरी व पत्थर के संग्रह के प्रस्ताव पर पर्यावरण जन सुनवाई आयोजित की गई। यह पर्यावरण जन सुनवाई भारत सरकार द्वारा जारी अधिसूचना सं0.-एसओ 1533 दिनांक 14.09.2006 के अंतर्गत निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अतिरिक्त जिलाधीश, सोलन की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस जन सुनवाई में उपस्थित व्यक्तियों की सूची संलग्नक-1 पर उपलब्ध है। इस जन सुनवाई के दौरान स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी, प्रतिनिधि निदेशालय, पर्यावरण एवं प्रौद्योगिकी विभाग, शिमला, खनन अधिकारी जिला सोलन, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी सोलन, प्रतिनिधि मतस्य विभाग, सोलन व पंचायत प्रधान दुगरी, दभोटा एवं अन्य विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी गण एवं ग्राम पंचायतों के निवासी उपस्थित थे। सर्वप्रथम हिमाचल प्रदेश राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के प्रतिनिधि श्री प्रवीण गुप्ता, पर्यावरण अभियंता द्वारा जन सुनवाई की पृष्ठ भूमि के आयोजन के उद्देश्य से उपस्थित जनसमूह को अवगत करवाया गया। तत्पश्चात् अतिरिक्त जिलाधीश सोलन ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि इस खनन क्षेत्र के सम्बन्ध में कोई भी सुझाव, विचार एवं शिकायत हो तो वे निसंकोच पूछ सकते हैं। तत्पश्चात स्टोन क्रशर के प्रतिनिधि मैसर्ज शिवालिक सोलिड वेस्ट मैनेजमेन्ट लि0, ग्राम माजरा, डा0 दभोटा, तहसील नालागढ, जिला सोलन हि0प्र0 द्वारा खनन क्षेत्र के प्रारूप और विस्तरित पर्यावरण प्रभाव निर्धारण के बारे में जन समूह को अवगत करवाया गया ।

इसके उपरान्त अध्यक्ष महोदय की अनुमति से जन सुनवाई की प्रक्रिया आरंभ की गई। इस जन सुनवाई की संपूर्ण कार्यवाही की वीडियोग्राफी भी की गई । इस जन सुनवाई के दौरान उठाए गए मुद्दों एवं उन पर की गई टिप्पणियों की कार्यवाही का विवरण निम्न प्रकार से है:-

क्र. स.	नाम व पता	मुद्दे	उठाए गए मुद्दों पर टिप्पणी
1.	श्री सोहन सिंह, गांव दुगरी नालागढ, जिला सोलन हि0प्र0 ।	हमारे खेतों में पानी भर जाता है तथा हमारी फसलें 10-15 सालों से खराब हो रही है। बरसात में हमारी फसलें ज्यादा खराब हो जाती है। हमारी जमीन एवं नदी से पत्थर उठ रहें हैं । हमारे बजुर्गो ने 10-15 वर्षों तक जमीन के लिये भारी मेहनत की परन्तु हमें जमीन न मिली। मैं ज्यादा न कहूँगा खनन सही तरीके से हो।	
2.	श्री अमरजीत सिंह, गाव वीरप्लासी, नालागढ, जिला	हमारी नदी के समीप 11 बिघे जमीन थी जो खराब हो चुकी है। अब हमारी जमीन व घरों	

	सोलन हि0प्र0 ।	पर खनन का प्रभाव पड रहा है। फसलें बर्बाद हो रहीं थी। खनन से हमें कोई आपति नहीं है। यह काम होना चाहिए।	
3.	श्री इकबाल सिंह, गांव दुगरी, नालागढ, जिला सोलन हि0प्र0।	1985 में फलड आया था तो हमारी जमीनें काफी बर्बाद हो गई थी। जब से रेत, बजरी या पत्थर उठ रहा है कोई परेशानी नहीं आ रही है। इसलिये हमारा निवेदन है कि सही तरीके से खनन हो यही हमारी इच्छा है और खनन चलती रहे।	
4.	श्री ए एस जसवाल, गांव नयागांव, तह0 नालागढ, जिला सोलन हि0प्र0।	अब पानी सुख रहा है। प्रदूषण की मात्रा बढ रही है। जब भी प्रदूषण सम्बन्धी शिकायत करते हैं तो प्रदूषण विभाग वाले कोई फोन तक नहीं उठाते हैं।	
5.	श्री लखबिन्द्र सिंह, गांव दभोटा, तहसील नालागढ, जिला सोलन हि0प्र0।	जैसा कि फौजी ने कहा के पानी सुख गया है। पहले पानी उपर बहता था हमारे बजुर्गों के पास घरों के लिये 6-6 बिस्वा जमीन थी सरकार ने हमें जमीन नहीं दी। हमारे पास अब जमीन नहीं बच पाई है। परन्तु हमारे को कोई एतराज नहीं है कि खनन न हो। रेत बजरी सही तरीके से उठे। पंजाब वाले रेत, बजरी उठाते हैं उससे भी प्रभाव पड रहा है। पूल जो है देखें तो उसके नीचे से भी काफी खनन हुआ है। पानी कितना गहरा चला गया है तथा दभोटा के पास भी इसका असर पडा है। हमारे पडोसी राज्य पंजाब द्वारा जे0सी0 वी0 से माल उठाया जाता है जिससे यहां काफी प्रभाव पडता है। आज जिस खनन पटा के लिये जन सुनवाई हो रही है जिनका क्रशर भी है यह हमारे को पूर्ण सहयोग करते हैं। परन्तु मौका देखा जाये तो सारे पानी का झुकाव निचे की तरफ जा रहा है क्या पानी नीचे नहीं जायेगा तो अपनी जगह पर ही रहेगा।	
6.	श्री एम एस राणा, गावं दुगरी, तहसील नालागढ, जिला सोलन हि0प्र0।	इस परियोजना से हमारे गांव लोगों को रोजगार का साधन मिला है अगर ऐसा न हो तो बेरोजगारी फैल जायेगी।	
7.	श्री कर्णवीर सिंह, गावं दभोटा, तहसील नालागढ, जिला सोलन हि0प्र0।	सबसे पहले मैं उपस्थित अधिकारियों एवं लोगों का धन्यावाद करता हूँ। आज हमारी चर्चा का विषय है कि खनन प्रक्रिया चलनी चाहिए या नहीं। खनन तो बंद है लेकिन बन्द नहीं। चोरी बढ गई है। जब खनन खुली थी तो 5मीटर तक खनन नहीं की जाती थी उससे दूर रहना पडता था। अब किसे कहें कि बरसात में बाढ आये तो पानी ने क्या	

		नुकशान हो सकता है। कानून के दायरे में खनन होनी चाहिए। जैसा कि मेरे मित्र एम एस राणा ने कहा कि गावं के लोगों का रोजगार चला है अपने परिवार का पालन-पोषण चला रहे है। मैं चाहता हूं कि खनन वैज्ञानिक तरीके से व सही तरीके से होनी चाहिए अवैध तरीके से खनन नहीं होनी चाहिए।	
8.	श्री प्रकाश मेहता, प्रतिनिधि हिम परिवेश नालागढ, जिला सोलन हि0प्र0।	जो यहां लोग बैठे हैं वह दुगरी व रतयोड गावं की जनता बैठी है। दुगरी, मांगल एवं दभोटा की जमीन जा रही है। 1973 में रतयोड गांव में घराट चलते थे अब गांव में पानी नहीं बचा है। 100 फुट तक बोर मिलता था अब 200 फुट तक बोर नहीं मिलता। अवैध व अवज्ञानिक तरीके से खनन हो रही है। जिनके पास ट्रेक्टर हैं मन मर्जी से माल उठाते हैं। अंग्रेजों के समय में भी रेत, बजरी निकाली जाती थी। 20 फुट के पत्थर नहीं तोडे जाते थे। मैं नहीं चाहता कि सभी क्रशर वाले, ट्रेक्टर वाले अरब सागर में जा फैंकों परन्तु तब भी गुजारा चल रहा था। यहां तो केवल बहाना है जबकि भारत सरकार, राज्य सरकार द्वारा खनन प्रक्रिया पर पूर्ण प्रतिबन्ध लगा रखा है। परन्तु यहां तो लगातार खनन हो रहा है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा यह प्रक्रिया पूर्ण रूप से बन्द की है। बिहार जायें तो वहां देखें तो पूर्ण प्रतिबन्ध है। मैं चैक करवाता हूं किसी ठेके वाले को तो वह वर्षों से खनन करता आ रहा है। आजकल प्रत्येक गांव में 10-20 ट्रेकटर है, क्रशर वालों ने भी ट्रेक्टर रखे हैं। मैं चाहता हूं कि 15-20 वर्षों तक खनन प्रक्रिया बन्द होनी चाहिए नहीं तो आज से 10 वर्ष बाद तक पानी नहीं मिलेगा।	श्री सुभाष शर्मा मैसर्ज शिवालिक सोलिड वेस्ट मैनेजमेन्ट लि0, ग्राम माजरा, डा0 दभोटा, तहसील नालागढ, जिला सोलन हि0प्र0 ने कहा कि खनन वैज्ञानिक तरीके से की जाएगी है। जिसका हमने अध्ययन किया है। अगर खनन सही तरीके से न हो तो खडड या नदी का चैनलाईज ठीक नहीं होगा। नियमों के अनुरूप ही खनन होनी चाहिए। यहां खनन केवल 1मी0 तक ही की जाएगी। नदी के मध्य भाग में केवल 1मी0 तक खनन वैज्ञानिक तरीके से की जाएगी। नदी के चैनलाईज को नहीं रोका जाएगा। फलड लेवल बैंक को नहीं तोडा जाएगा। केवल वैज्ञानिक तरीके से ही खनन किया जाएगा। खनन 1मी0 तक ही की जायेगी जिससे ग्राउंड वाटर लेवल पर किसी प्रकार का प्रभाव नहीं पडेगा। 2मी0 के पत्थर को नहीं तोडा जाएगा। मैहता जी ने सही कहा कि वैज्ञानिक तरीके से ही खनन होना चाहिए। इसलिये ही जन सुनवाई का आयोजन हो रहा है क्षेत्रफल कितना है फलडिंग आ सकती है या नहीं अगर पत्थर निकला नहीं तो फलडिंग का अत्यधिक प्रभाव पड सकता है। केन्द्र ने शिवालिक

			सोलिड वेस्ट मैनेजमेन्ट लि0, को वैज्ञानिक तरीकों को जांचने के लिए चुना है। हम भी चाहते हैं कि सही तरीके से खनन हो।
9.	श्री दुर्गा सिंह, गांव रतयोड नालागढ, जिला सोलन हि0प्र0।	जैसे कि महादेवी नदी में लोग बसें हैं। नदी के किनारे वाली 10 बिघा जमीन मैहता जी ने राजस्व विभाग वालों से मिलकर चोरी से अपने नाम पर करवा दी। खेतों से रेत, बजरी उठाने पर रोक नहीं होनी चाहिए। खनन को चालू रखा जाये।	
10.	श्री सोमनाथ, गांव रतयोड, नालागढ, जिला सोलन हि0प्र0।	सभी भाईयों ने कहा नदियों में बाढ आती है। 20 फूट तक कब खनन हुआ टूकरी वाले बता दें कि 20-50 फूट तक कहां खनन हुआ है। सही तरीके से खनन होना चाहिए। अगर गलत हुआ है तो उसका मौका होना चाहिए।	अतिरिक्त जिलाधीश सोलन ने कहा कि केवल मात्र परियोजना से सम्बन्धित प्रश्न ही पूछें। सही तरीके से बात करें यहां कोई लडाई झगडा करने नहीं आए हैं। मैं पुनः अनुरोध करता हूँ कि परियोजना से सम्बन्धित तथा तथ्यों के आधार पर ही अपने विचार रखें। पक्ष -विपक्ष में न बोलें एवं संक्षेप में बोलें।
11.	श्री गुरमुख सिंह, गांव दभोटा, नालागढ, जिला सोलन हि0प्र0।	जन-सुनवाई के बारे में केवल स्वयं के हित को छोड के बात न करें। ट्रैक्टर वाले को बिना रेत, बजरी के बगैर काम नहीं चलेगा। पत्थर, रेता व बजरी लिमिटिड होनी चाहिए। नदी या खडड से 15 मीटर की दुरी तक खनन नहीं होना चाहिए। पानी का स्तर नीचा हो रहा है। सही तरीके से चैक करें तो प्रदूषण होगा या न होगा क्या प्रदूषण बोर्ड इसकी जिम्मेदारी लेगा। जमीन को समतल करने हेतू भी स्वीकृति मिलनी चाहिए। पर्यावरण को स्वच्छ रखा जाना चाहिए। जो क्रशर हैं उनसे लोगों को रोजगार मिला है। एक विनती है कि जैसे सीमेन्ट पंजाब भरतगढ में 30 रूपये सस्ता है तथा हिमाचल में महँगा है। ऐसा नहीं होना चाहिए तैयार हिमाचल में किया जाता है परन्तु यहां महँगा मिलता है। प्रदूषण हम झेल रहें हैं। किसी की जमीन को नुकसान नहीं होना चाहिए। सरकार सही तरीके से खनन की अनुमति प्रदान करे	
12.	एक्स सुवेदार रणवीर सिंह, गांव रतयोड, नालागढ,	प्रत्यक्ष के आगे प्रमाण देने की जरूरत नहीं। आधा गांव रतयोड का बर्बाद हो गया। दूसरी	श्री सुभाष शर्मा मैसर्ज शिवालिक सोलिड वेस्ट

	जिला सोलन हि0प्र0।	तरफ प्रदूषण की मार पड रही है। ऐसी सुविधा होनी चाहिए कि सही तरीके से खनन हो। यहां रात के समय सामलात जमीनो से खनन हो रहा है। अगर रात को किसी को देख लेते हैं तो वह वहीं रुक जाता है बोलते सब हैं परन्तु अमल कोई नहीं करता है। हमारी जमीन खराब हो रही है। कानून के दायरे में खनन होना चाहिए। कहते सब हैं कि खनन करना प्रतिबन्ध है परन्तु जमकर हो रहा है। खडडों में जमकर ट्रेक्टर होते हैं। हम चाहते हैं कि सरकार भी ख्याल रखे।	मैनेजमेन्ट लि0, ग्राम माजरा, डा0 दभोटा, तहसील नालागढ, जिला सोलन हि0प्र0 ने कहा कि अगर गावं स्तर पर कमेटी बना दी जाये तो वह समय-समय पर अपना चैक रख सकती है। अगर वैज्ञानिक तरीके से खनन नहीं किया जा रहा है तो कमेटी अपनी रिर्पोट सरकार को भेज सकती है। इस कमेटी में गांव के लोकल लोग ही लिये जा सकते हैं।
13.	जगदीश सिंह दुखिया, हिम परिवेश नालागढ, जिला सोलन हि0प्र0।	मेरा मुख्य मक्सद पर्यावरण को बचाना है। जैसा कि शर्मा जी ने कहा कि कमेटी बना दी जाए तो कैसा रहेगा। खनन के सम्बन्ध में 2004 में भी कमेटी उपायुक्त, तहसील, खण्ड विकास आधार पर बनाने को कहा था परन्तु आज तक कमेटी न बनी । मैं यहां नालागढ में ही पढा, लिखा एवं बडा हुआ। इन समीप की नदियों में पानी होता था अब पानी नहीं है। जब से पत्थर उठाने शुरू किये नुकशान हुआ एवं पानी भी नहीं रहा। लून नदी में पानी गंदा हो गया। जो कुएं थे वह भी बंद हो गए। हमारे भाई ट्रेक्टर वाले हैं सही तरीके से खनन होना चाहिए। हम बात करते हैं कि वैज्ञानिक तरीके से खनन करेंगे। कोई भी कार्य सही तरीके से नहीं हो रहा है। जैसा कि शर्मा जी ने कहा कि 1 मी0 तक एवं वैज्ञानिक तरीके से खनन किया जायेगा। परन्तु जे0सी0बी0 वाले कहां मानते हैं। जे0सी0बी0 से कभी भी सही तरीके से खनन नहीं होता है। रात को लोग चोरी करते हुए पकडे जाते हैं तो कोई एक्शन नहीं होता है। सामलात भूमि से, खडडों से गिटटी, पत्थर आदि उठाया जा रहा है परन्तु कोई वैज्ञानिक तरीके से नहीं उठाया जाता है। वाटर सप्लाई भी प्रभावित हो रही है। बघेरी से यहाँ तक आने वाली नदियों में खतरा उत्पन्न हो रहा है। मैं प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड से जानना चाहता हूँ कि 1 मी0 से ज्यादा तक खनन नहीं हो रहा है। हिम परिवेश हमेशा प्रदूषण से बचाने की बात करता है। पंजाब से जो ट्रेक्टर आते हैं उन्होंने सारी सडकें तोड डाली, रात को चोरी करते	

		है ऐसा नहीं होना चाहिए। हमारे यहां सारे रिस्तेदार हैं सही तरीके से खनन होना चाहिए। अपने पर्यावरण का विशेष ध्यान रखें सही एवं वैज्ञानिक तरीके से खनन करें।	
14.	श्री दौलत राम, उप-प्रधान दभोटा, तह0 नालागढ, जिला सोलन हि0प्र0।	रेता व बजरी की जरूरत सबको होती है। ठेकेदारों को चाहिए कि वह भी सही तरीके से खनन करें।	
15.	श्री पवन कुमार, पूर्व-प्रधान दभोटा, तह0 नालागढ, जिला सोलन हि0प्र0।	मैं चाहता हूँ कि कमेटी बने मैं इसका समर्थ करता हूँ। रात को छः बजे के बाद व सुबह 8बजे से पहले कोई ट्रेक्टर न चले। मैं निवेदन करता हूँ कि मिल बैठकर सारे कार्य करें। जो पैसा रोयालटी का होता है वह पैसा यहां पर ही लगे। रेत व बजरी को दाम सही होना चाहिए। रेत व बजरी के बगैर डवेल्पमैंट के कार्य बन्द न हो।	
16.	श्री सेवा सिंह, गांव दभोटा, तह0 नालागढ, जिला सोलन हि0प्र0।	सबने अपने-अपने विचार व सुझाव रखे मैं सहमत हूँ। मैं चाहता हूँ कि नदी को चैनलाईज किया जाये तो रेत, बजरी भी नहीं उठ पायेगा। पानी की बात करता हूँ 1954 में हमारे यहां पानी कुहल का मिल जाता था सारे दभोटा वालों को पानी का अभाव नहीं था। अब पानी की लेवल नीचे चली गई है जो भोगपुर, रेहडू गाव में पानी सुविधा से नहीं मिलता है। जगह-जगह टयुब वैल लगने से कुएं भी सुख गए हैं। पानी टयुब वैलों से भी नीचे चला गया है। रेता, बजरी तो सबको चाहिए। खडडों की भी चैनलाईज होनी चाहिए।	

जन-सुनवाई के समापन से पूर्व कार्रवाही के सार को अतिरिक्त जिलाधीश, जिला सोलन (हि.प्र.) द्वारा उपस्थित लोगों के समक्ष बताया गया। तत्पश्चात इसका विवरण रिकार्ड किया गया। अन्त में अतिरिक्त जिलाधीश, जिला सोलन द्वारा लोगों का आभार व्यक्त किया गया।

अतिरिक्त जिलाधीश,
सोलन, जिला सोलन हि.प्र.

हिमाचल प्रदेश राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा दिनांक 28.05.2013 को प्रातः 11:00 बजे श्रीयुत शिव भवानी स्टोन क्रशर मालिक श्री सुनील कुमार गर्ग, नदी स्तर खनन, पाली महादेव, मौजा मौहाल रतयोड एवं भांगला, तहसील नालागढ़, जिला सोलन (हि.प्र.) द्वारा खनन क्षेत्र 36.8845 हैक्टेयर (खसरा नं0 2231/1324, 2261/1535, 2265/1539, 1804, 1923/1, 904/843/3, 856/180, 199/1 मौजा मौहाल रतयोड एवं भांगला, तहसील नालागढ़, जिला सोलन (हि.प्र.) कुल क्षेत्रफल 36.8845 हैक्टेयर से रेत, बजरी व पत्थर के संग्रह के प्रस्ताव पर आयोजित पर्यावरण जन सुनवाई में उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों एवं आम जनता की उपस्थिति।

क्रम संख्या	अधिकारी/कर्मचारी/ग्राम वासी का नाम व पता	पद	हस्ताक्षर
1	R.D. HERNOTE	TEHSILDAR, NALAGARH	[signature]
2	Er. P.C. Gupta	Env. Engg. PCB, Baddi	[signature]
3	R.S. Rana	Supdt. " "	[signature]
4	Chaman Thakur	JEO, PCB, Baddi	[signature]
5	Prem Sachdev	S. Asstt. H.P. PCB, Baddi	[signature]
6	Anil Kumar	Jr. Env. Engg., Baddi	[signature]
7	R.K. [illegible]	[illegible]	[signature]
8	Suresh Kumar Bhandwal	Mining officer Solan	[signature]
9	Munish Panwar	R.O. Nalagarh	[signature]
10	SUNIL GARG	owner	[signature]
11	Subhash Sharma	Consultant	[signature]
12	ASHOK SHARMA	CEO Shivalik Solid Waste Nalagarh	[signature]
13	Manish Chander	Chavali [illegible]	[signature]
14	Rajeev Thakur	Shivalik Bohar	[signature]
15	YASHPAL [illegible]	[illegible]	[signature]
16	ASHISH SHARMA	SHIVALIK SOLID WASTE	[signature]
17	TARUN RIKHRA	Lab Incharge SSWML	[signature]
18	Ravi Gaur	Shivalik Solid Waste Mang	[signature]
19	Tarun Gupta	E.E. DEST Shimla	[signature]

20	Dr. [illegible]	General Public	[illegible]
21	[illegible]	[illegible]	[illegible]
22	Sakindar [illegible]	[illegible]	[illegible]
23	Sumit Kumar	Fsd.	[illegible]
24	Prakash Chand.	B.O. Joghon	[illegible]
25	Ram Sarup	Vill Androla	[illegible]
26	Harbhajan Singh vill Dabhota	General Public	[illegible]
27	Amit Kr.	Berson	[illegible]
28	Nardev Ram Vill Sorswala	Public	[illegible]
29	Karan Bhalla Baddi	Public	[illegible]
30			
31	Naveen Goyal	Public	[illegible]
	Jitender [illegible]	Public	[illegible]
32	[illegible]	[illegible]	[illegible]
33	[illegible]	Public	[illegible]
34	[illegible]	Public	[illegible]
35	Anil Kumar	Public	[illegible]
36	Sohan Lal KHERA	[illegible]	[illegible]
37	Rajinder Singh vill Berson	Public	[illegible]
38	Hemchand	Ami Nalagarh	[illegible]
39	Rammohan Pal	Dabhota	[illegible]
40	Bachnaram Pather Fellera		Balkrishan
41	[illegible]	[illegible]	[illegible]
42	Karam Singh	[illegible]	[illegible]
43	TARLOCHAN SINGH	Public Nawangram	[illegible] 28/5/13
44			

45	Surmukh Singh [illegible]	Rakhota	[illegible]
46	Pawan Kumar Ex Pardhan	Rakhota	Pawan Kumar
47	[illegible]	Public	[illegible]
48	[illegible]	[illegible] Public	[illegible]
49	Ram Singh	Bhanglan	Ram Singh
50	[illegible] राम [illegible]	Public	[illegible] राम
51	[illegible]	[illegible] Public	[illegible]
52	[illegible] Sandi	Public	[illegible]
53	[illegible]	Public	[illegible]
54	Anton Sundarwal	Narayan Public	[illegible]
55	Roshan Lal	Dugri Public	[illegible]
56	[illegible] राम [illegible]	Public	[illegible]
57	[illegible] सिंह [illegible]	[illegible]	[illegible]
58	[illegible]	Public	[illegible]
59	जोगिन्द्र सिंह [illegible]	[illegible]	जोगिन्द्र [illegible]
60	Bain Chand [illegible]	Public	[illegible]
61	Bidhi Chand [illegible]	Public	[illegible]
62	जोगिन्द्र सिंह प्रधान	[illegible]	Joginder Singh
63	Lal [illegible] Rakhota	Public	[illegible]
64	दौलतराम [illegible]		दौलतराम
65	[illegible] सिंह [illegible] Jagmit [illegible]	[illegible] Public [illegible]	[illegible]
66	Parminder Singh [illegible]	Him Pradesh	[illegible]
67	[illegible] Ram [illegible]	[illegible]	[illegible]
68	[illegible] Bhogpur	Ex Parthan Bhogpur	[illegible]

69	~~[illegible]~~ Kamu Kotte	[illegible]	[signature]
70	Cordial Pateesh Phakke	Public	Cordial
71	Karamveer Singh	Public	[signature]
72	[signature]	[illegible]	[signature]
73	शिवराम स्टिकर	Public	[signature]
74	रामप्रसाद रत्यारे	[signature]	[signature]
75	Ram Singh Pishori [illegible] Nalagarh		[signature]
76	सतीश कुमार गाम [illegible]	Public	सतीश कुमार

Proceedings of Environmental Public Hearing of M/s Shiv Bhawani Stone Crusher, owner Sh. Sunil Kumar Garg of river bed mining for the collection of sand, Bajari, stone of mining area 36.8845 hectare (490.3 bighas) (Khasra No 2232/1324, 2261/1535, 2265/1539, 1804, 1923/1, 904/843/3, 856/180, 199/1) Mauja Mohal Ratyod and Bhangla, Tehsil Nalagarh, Distt. Solan, H.P

Environmental public hearing was organized by HP State Pollution Control Board on 28.05.2013 at 11:00 AM at Vill Dugri (Banglow) P.O. Dabhota, Teh Nalagarh , Distt. Solan, H.P. of M/s Shiv Bhawani Stone Crusher, Mauja Mohal Ratyod and Bhangla, Tehsil Nalagarh, Distt. Solan, H.P (Ratyod and Bhargla Lease Area), Teh. Nalagarh, Distt. Solan, H.P. for river bed mining area 36.8845 hectare (490.3 bighas) for the collection of sand, bajri & stone. This environmental public hearing was held as per EIA notification no. SO 1533 dt. 14.09.2006 under the chairmanship of Additional Deputy Commissioner, Solan. The attendance sheet of the present people is attached as annexure-1. During this public hearing Tehsildar Local Administration Nalagarh, Distt Mining Officer Solan, Representative of Deptt. of Science, Environment & Technology Shimla, Regional Transport Officer Solan, Representatives of fishery Department & Pradhans from Dugri and Dabhota Panchayat and local people were present in the public hearing. First of all Sh. Parveen Gupta Env. Engineer HPPCB welcomed Additional Deputy Commissioner. Sh. Parveen Gupta Environmental Engineer addressed the Govt. officers and people were present in the public hearing and made aware the public regarding motive of public hearing. Then Additional Deputy Commissioner asked the people to give their suggestions, views and queries regarding mining activities. During this period project proponent, Sh. Sunil Kumar Garg also welcomed the public to take participation in this public hearing. He further said that if any questions/queries regarding the establishment of this project, the public are being invited to ask the same. After that, Regional Officer HPPCB invited the Environmental Consultant of Stone Crusher M/s Shiwalik Solid Waste Management Ltd Vill. Majra P.O. Dabhota Tehsil Nalagarh Distt. Solan H.P. to deliver their technical details regarding river bed mining activities. The technical consultant of company Mrs. Daksha Gupta welcomed the Additional Deputy Commissioner, officers from various Govt. Departments and local people present in the public hearing.

After that, with due permission of chairman, the proceedings of environmental public hearing was started and the entire proceedings were video graphed. The technical consultant of company Mrs. Daksha Gupta introduced about the project and also discussed all technical aspects w.r.t. Air, Water & Noise. She said that M/s Shiwalik Solid Waste has conducted monitoring w.r.t. Air, Water, Soil and Noise. As per analysis reports of Air, Water, Soil and Noise are confirming the standards prescribed. She also further said that when the mining activities starts, the dust emission generate during the mining. For the control of these dust emissions, there is a provision of sprinklers to arrest the dust and there is provision of sufficient fund for control and prevention of pollution to improve the ambient air quality. The above activities come under the Corporate Responsibility for Environment Protection.

Additional Deputy Commissioner asked the public to raise their issues/queries only about the prescribed mentioned subject. He also requested to the public that question should be raised one by one and the same should not be repeated again and again. He also said that they will not take any decision in this public hearing and proceeding of the public hearing shall be documented & videographed and the same shall be sent to the State Govt. The State Govt.

shall forward this document to Ministry of Environment and Forest, New Delhi. During the course of public hearing, several issues/queries were raised by the people and comments/reply on the same are as below:

Sr. No	Name and Address	Issues	Comments
1.	Sh. Sohan Singh, Vill. Dugri, Nalagarh, Distt. Solan, H.P.	He said that our farm/fields and crops are being destroyed due to the flood since 10-15 years ago. However, when this mining activities started in this river, we are safe in respect of crops and fields. Our parents bought this land since 10-15 years ago, but that time, our living hood is not good as compared to at present. He requested the administration to provide the permission to start the mining activities and operation for the stone crusher. He also further said that mining should be carried out as per guidelines of new mining policy of Govt.	No Comments
2.	Sh. Amarjeet Singh Vill. Beerplassi Nalagarh, Distt. Solan, H.P.	Earlier Our lands are being destroyed due to heavy flood, however mining activities started in this river, we are safe in respect of our crops, houses and fields. He further said that he has 11 bighas land across the river. He requested the administration to provide the permission to start the mining activities and operation for the stone crusher. He also further said that mining should be carried out as per guidelines of new mining policy of Govt.	No Comments
3.	Sh. Ikbal Singh, Vill. Dugri, Nalagarh, Distt. Solan, H,P,	He said that flood has been occurred in 1985. Due to this, our land has been destroyed, but when the mining activities started in this river, we are safe in respect of our crops, houses and fields. Now they have no problems.	No Comments
4.	Sh. A.S. Jaswal Vill. Naya Gaon, Nalagarh, Distt. Solan, H.P.	He said that our water resources are drying due to mining activities. He further said that they have also approached to the State Board regarding complaint w.r.t. pollution, but Pollution Control	No Comments

		Board does not receive our telephone calls.	
5.	Sh. Lakhwinder Singh Vill. Dabhota Nalagarh, Distt. Solan, H.P.	He said that our water resources are drying as per statement of Fauji. Earlier the water flowing upward direction. Our parents bought 6-6 biswa land to built up houses. He further said that mining activities shall continue in the river and we have no objection regarding mining. He also said that there should be any law to prevent illegal mining activities. He further said that maximum soil erosion has been occurred near Mahadev Bridge. This soil erosion speed up due to use of JCB in Punjab area. Due to this mining activity, there is lot of lagoons made across the rivers. He further said that we have full co-operation with project proponent ,whose public hearing conducted today. If we visit the spot the flow of river is in downward direction and if it is not, then water will be stagnant at one place.	No Comments
6.	Sh. M.S. Rana , Vill. Dugri, Nalagarh, Distt. Solan, H.P.	He spoke in favour of to continue the mining activity. He said that we got employment opportunity due to mining activity as well as operation of stone crusher. He further said that if mining activity stopped, then we would be unemployed.	No Comments
7	Sh. Karanveer Singh Vill Dabhota, Nalagarh, Distt. Solan, H,P,	He welcomed and thanked the Additional Deputy Commissioner, representatives of various Govt. Departments and the local public present in this hearing. He said that today's topic is whether the mining activity should stopped or continue. Mining activity has stopped by the Govt., but at the spot the mining activity is still continue and also lease also doing illegal mining. He said that I am protesting of illegal mining . He also said that in flood season, we have lost our lands, houses and crops. Mining activity should be continued, but the same should be	

		carried out as par guidelines of new mining policies of Govt. and Illegal mining should be stopped.	
8.	Sh. Prakash Mehta, Representative of Him Parivesh (NGO) Nalgarh, Distt. Solan, H.P.	He welcomed and thanked the Additional Deputy Commissioner, representatives of various Govt. Departments and the local public present inthis public hearing. He said that the people participated in this hearing are belong to village of Dugri and Ratyod, but the mining area of the project proporent falls under the villages of Bhanglow and Dabhota. In 1973 the Ghrat is run by the water in village Ratyod, but now there is scarcity of water. Earlier the water table found at the depth of 100 feet, but now the same was not found upto the depth of 200 feet. This situation became critical due to unscientific mining and illegal mining. The owner of the tractor lift the material from the river as per their convince. In British Ruler, there was also the provision to recover the sand and stone from river. From my point of view, the rivers and mountains / hills throw into the sea. He further said that it is excuse, the mining activity is strictly prohibited by the state and central Govt., but the mining activity is still continue. The mining activity is totally banned by the Hon'able Supreme Court. If you visited the Bihar state, Mining is totally banned. There are 10-15 tractors in each village and stone crusher's operator have also their own tractors. From my opinion ,the mining activity should be stopped for 15-20 years. Because due to this mining activity, we shall not get the water after 10 years.	In this context the consultant of Shiwalik Solid Waste said that the mining activity shall be carried out in scientific manner. He further said that it has been observed during the studies that if mining activity will continue in proper manner or the river should be properly channalized and mining activity shall be carried out as per guidelines of new mining policy of Govt. The mining activity shall be carried up to one meter deep and material shall be lifted in the middle part of the river. There shall be no channalized system in the river. He further said that if the lease shall continue the mining activity upto one meter deep there is no scare city of water. He also appreciate Mehta views regarding scientific mining should be carried out in rivers. For this purpose, the public hearing is organizing. M/s Shiwalik Solid Waste Management is approved consultancy for EIA projects.
9.	Sh. Durga Singh , Vill. Ratyod, Nalagarh, Distt. Solan, H.P.	He said that land is available across the Mahadev River. He further said that Sh. Mehta have 10 bigha land across the river. This land is purchased by theft with the help of revenue department. The	No Comments

		permission may be granted to lift the stone and sand from our farms/fields and mining activity should be continued.	
10	Sh. Somnath, Village Ratyod, Nalagarh, Distt. Solan HP	He protested the views of the previous people regarding the flood situation. He further said that the depth of river is reached upto the mark of 20 feet due to mining. The mining activity should be carried out scientifically and if there is illegal mining, then inspection is required.	Additional Deputy Commissioner requested the public to raise their queries/questions only related to the subject mentioned. Question should be relevant or concerned to the public hearing and we are not get together here for fighting. He again and again requested to the public, to present their view and suggestion regarding purposed project. Do not speak anything against each other and present their views in brief.
11	Sh. Gurmukh Singh, Pradhan Dabhota, Nalagarh Distt Solan HP	He said that in this public hearing we should not talk in favour of individual concern. We should got the opportunity of employment and Tractor should be engaged with the stone crusher. There is a urgent need of stones and sand required for development activities. There should fixed a limit to pick up the stone and sand from the river. The Committee should monitor mining area of lease. There shall no mining activity upto 15 meters from river. The provision should be made by the Govt. that the mining activity should be carried out in the river upto the depth of 20 feet. The water table is going very low. In view of above findings, the present situation become more polluted. Is the pollution control board take the responsibility of the pollution created due to mining activities? The permission should be granted for land development and environment should be kept neat and clean. The people should got	

		the opportunity of the employment due to these crushers. He further stressed that cement is Rs.30 cheaper at Bharatgarh in Punjab and the same is costly in HP. When ever the cement is prepared in HP and same is costly in HP. However, the people of HP suffer from pollution. Mining activities should be carried out as per the direction issued by the Hon'ble Supreme Court. He further humble requested to the administration that theft stone should not enter in the Punjab area. He further also said that I am not against the stone crusher. The mining activities should be carried out as per the guidelines of new mining policy of Govt. and Govt. should grant the mining lease to the stone crusher as per norms fixed in new mining policy.	
12	Sh. Ranjeet Singh Ratyod, Nalagarh Distt Solan HP	He said that there is no need to provide any proof, the situation will become critical, if illegal mining should not be prevented. The Vill. Ratyod is going to destroy due to pollution. Mining activities should be carried out as per the guidelines of new mining policy of Govt. as well as the directions issued by the Hon'ble Supreme Court. Whenever the mining activity is banned by the Govt., but the same is continue day and night The stone is being theft from the Govt. Land. Every body talked about this matter, but no body implement or bothered about this. Our land is destroying. The mining activity should be carried out under the provision of law. He again stressed that every body said that mining strictly prohibited, but the same is still continue in large scale. The water table is going very low and prices of sand & stone raised very high.	Sh. Subhash Sharma M/s Shiwalik Solid Waste Management said that if the committee could be formulated at village level to check the mining activity time to time. If the mining activity could be carried out scientifically, then the committee could submit their report to the Govt. the Members of committee shall have local people of surrounding villages.
13	Sh. Jagdish Singh Dukhia, Him Parivesh (NGO) Nalagrah Solan HP	He said that my main motive is to protect the environment. The committee had proposed to	

		formulate at Distt, Tehsil and Sub Divisional Level regarding mining activities in 2004, but the same is not formulated till date. He further said that I am a local resident of Nalagarh and my studies and growth carried in this area. From this time, there is lot of water in this river, but it is not at present. Whenever stones lifted from river and there is heavy loss and scarcity of water. The water is polluted in Lunn Khad and the wells are drying. He further said that buffalos took bath from the river water, but now it is feel scarcity of water. The operator of tractor also our brother, but mining activity should be carried out in scientific manner. He again protested against the scientific mining should carried, but no work is done as per rule. He further said that mining activity should be carried out upto depth of 1 meter as per views of Sh. Subhash Sharma ,but the same is not complied with. He said that people telephoned me at night hours regarding JCB working in Baglehar Khad and Tehsildar also challaned the tractors at the day time. The people are caught by thifting the stone from the river at night hours, but no action was taken. A lot of mining activity are being carried out in Khad and river, but the same is not lifted as per scientific mining. All the water scheme are being affected due to this mining. In this way we shall have take the animals at Kiratpur for drinking of water. I personally request the Pollution Control Board that mining activity is not carried out more than 1 meter in river. Every thing is doing wrong. Our NGO, Him Parivesh talked about control and prevention of pollution. There is lot of tractors and tippers came from Punjab in night time and stolen the stone and sand from the river of HP.		

		These vehicles also damaged the roads. He further said that I am not enemy of these people and mining activity should be carried out in scientific manners and there shall be formulated a committee of mining, who monitor the mining lease. The lot of meetings are being conducted by the administration, but the discussion held on only how many tractors are being arrested and no action was taken. He further said that keep the environment neat and clean and mining activity should be carried out	
14	Sh. Daulat Ram up Pradhan Dabhota Nalagarh Solan HP	He welcomed and thanked the Additional Deputy Commissioner, representatives of various Govt. Departments and the local public present in public hearing. He said that there is requirement of stone and sand for development activity but at present the same is difficult to obtain. He further spoke that mining activity should be continued as per scientific manner and guidelines of new mining policies.	
15	Sh. Pawan Kumar Sharma Ex-Pradhan Dabhota Nalagarh Distt Solan HP	He said that committee should be formulated. As per the statement of Dukhiya, we shall also take care of the operator of the tractors. We shall all work collectively. He further requested to the administration that tractors should not run before 6 AM and after 8 PM. He further stressed that Royalty money should be utilized for repair and maintenance of the road. The rates of the sand and stone should be cheaper and without sand and stone developed activity could not be carried out.	
16	Sh. Sewa Singh, Gram Panchayat Dabhota Nalagarh Solan Hp	He said that all the people present their views and suggestions in this public hearing and I am also agreed all of them. The river should be chanalized, so that the sand and stone could not be lifted. Earlier there is a provision of kuhal (water carrying drain) in 1954 and	

		villagers of Dabhota got benefited from this kuhal, but now the water table is going very low. Mining activities is not the reason responsible for low water table, but the tube well dugged at many places also lower the water table more. He further said that there is urgent need of sand and stone for the development and rivers/khud should be properly chanalized.	

At the end of the public hearing the proceeding was concluded by Additional Deputy Commissioner, Solan, Distt. Solan, H.P. and he said that all the proceeding of public hearing was recorded and the same shall be sent to Govt of India along with photographs and soft copy the public hearing. At last, the Additional Deputy Commissioner thanked the public to participate in this public hearing.

Additional Deputy Commissioner
Solan, Distt. Solan, H.P.

Additional Deputy Commissioner
Solan Distt. Solan (H.P.)